

लवणता (Salinity)

• सागरीय लवणता (Ocean Salinity) -

सागरीय जल के भार एवं उसमें घुली हुई पदार्थों के भार के अनुपात को सागरीय लवणता कहते हैं।

• लवणीभवन (Salinization)

मृदा में धुलनशील लवणों का अवक्षेपण, लवणीभवन कहलाता है।

• समक्षवण रेखा (Isohaline) -

सागरीय जल के समान स्वरूपन की प्रदर्शित करने वाली रेखा को समक्षवण/समक्षवण रेखा कहते हैं।

• हैलाइट (Halite)

साधारण लवण NaCl, जो कि सागरीय जल अथवा खारे पानी की झीलों से वाष्पित जमावों से प्राप्त किया जाता है, हैलाइट कहा जाता है।

• नुनखरा/खारा (Brackish)

जिस जल में नमक (सॉडियम क्लोराइड) घुला रहता है, ऐसे जल को नुनखरा जल कहते हैं। यह जल सागरीय जल से कम खारा होता है।

• क्लोरीनता (Chlorinity)

साधारणतया सब क्लोराइड सागरीय जल में क्लोराइड के भार को क्लोरीनता कहते हैं।

• हैलोक्लाइन (Halocline)

महासागरीय जल में 300 से 1000 मीटर की गहराई में सागरीय लवणता में तेजी से परिवर्तन वाले भाग को हैलोक्लाइन कहते हैं।

• लवणतामापी यंत्र (Salinometer)

सेलिमीटर सागरीय लवणता की माप करने वाला एक उपकरण है जो 0.003% लवणता तक का लची-लची माप कर सकता है।

• सागरीय जल का निम्नता (Sink of Ocean Salinity)

सागरों से समक के पार निकलने को सागरीय जल का निम्नता (Sink) कहते हैं। यह क्रिया वाष्पीकरण, साठारूपे, नदी मैलाकट, जलवाष्पण आदि कारकों से सम्पादित होती है।

• धर्मोत्लाइन (Thermocline)

सागरागारी में 300 मीटर से 1000 मीटर की गहराई में तापमान में तेजी से परिवर्तन वाली परत को धर्मोत्लाइन कहते हैं।

लवणता की विभिन्नता के कारण

1. तापमान / वाष्पीकरण
2. द्रव्य जल की आपूर्ति
3. हवा से
4. लामुड़ी छायाएं
5. लामुड़ी जीव
6. अक्षय्रीय विषय

<u>क्रम</u>	<u>स्थान</u>	<u>लवणता</u>	<u>विशेष</u>
(1.)	बोम्बे बंदी (दक्षिण)	330‰	विशेष में सर्वाधिक लवणता
(2.)	मृत सागर (इजरायल)	240‰	दूसरा सर्वाधिक
(3.)	ग्रेट साल्ट लेक (USA)	220‰	तीसरा सर्वाधिक
(4.)	अरब सागर (औसत)	35‰	(34.75‰)
(5.)	उत्तरी गोलार्ध (औसत)	34‰	
(6.)	दक्षिणी गोलार्ध (औसत)	35‰	
(7.)	हिन्द अरब सागर (औसत)	34.8‰	
(8.)	पश्चिम अरब सागर (औसत)	36.3‰	
(9.)	अटलांटिक अरब सागर (औसत)	37.8‰	

अक्षांशीय क्षेत्र और लवणता

<u>अक्षांशीय क्षेत्र</u>	<u>लवणता ‰</u>
70° से 50° N	30-31
50° से 40° N	33-34
40° से 15° N	35-36
15° से 10° N	34.5-35.0
10° से 30° S	35-36
30° से 50° S	34-35
50° से 70° S	33-34

• चैलेंजर अभिगान (1884) के दौरान डिस्कर ने यह पता लगाया कि सागरीय जल में औसतन प्रति हजार ग्राम पर 35 ग्राम लवण पाये जाते हैं।

• चैलेंजर अभिगान (1884) के दौरान डिस्कर ने यह पता लगाया कि समुद्री जल में 47 प्रकार के लवण घुले हुए हैं।

• बेकिंगसेल (Beckingsale) के अनुसार 35 ग्राम लवण में विभिन्न लवणों का अनुपात इस प्रकार होता है -

लवण के प्रकार	कुल मात्रा % (प्रति 1000 ग्राम में)	प्रतिशत
1. सोडियम क्लोराइड	27.213	77.8
2. मैग्नीशियम क्लोराइड	03.807	10.9
3. मैग्नीशियम सल्फेट	01.658	04.7
4. कैल्शियम सल्फेट	01.260	03.6
5. पोटैशियम सल्फेट	00.863	02.5
6. कैल्शियम कार्बोनेट	00.123	00.3
7. मैग्नीशियम ब्रोमाइड	00.076	00.2
योग	35.000	100.00

• लवणता के स्रोत

1. पृथ्वी/भूमिज पदार्थ
2. नदियाँ
3. सामुद्रिक लाहें
4. हवाएं
5. ज्वालामुखी विस्फोटक